7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़

महानगर
वर्ष 49 | अंक 325 |
पृष्ठ : 16
मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 11 दिसंबर 2017

amarujala.com

PAGE NO. 05 : BOTTOM MIDDLE

कैंसर रोगी की दर्द से न हो मौत.. बाजार में मिले मारफीन

बरेली। एडवांस कैंसर रोगियों में 60 फीसदी ऐसे होते हैं, जिन्हें जीवन भर असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ती है। इनमें 30 से 32 फीसदी मरीजों की मौत बिना किसी इलाज के ही हो जाती है। यानी उनका कैंसर का इलाज तो हो रहा होता है लेकिन दर्द का इलाज उन्हें नहीं मिल पाता।

रविवार को एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट में पीड़ा और एनेस्थीसिया विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में कैंसर मरीजों के असहनीय दर्द पर चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि कैंसर रोगियों को एक रुपये में मिलने वाली दर्द निवारक 'मारफीन' बाजार में मिलनी ही चाहिए ताकि वे असहनीय पीड़ा से बच सकें। इस दौरान कैंसर के तीन मरीजों पर इलाज की प्रक्रिया का सजीव प्रसारण आपरेशन थियेटर से किया गया। इसमें एक 15 साल की किशोरी भी शामिल थी। उसे बड़ी आंत का कैंसर है। कैंसर दर्द प्रबंधन पर एम्स के पैलिएटिव केयर एनेस्थीसिया विभाग की हेड डॉ. सुषमा भटनागर सहित अन्य एनेस्थेटिक विशेषज्ञों ने कैंसर मरीजों को नार्को दवा मारफीन देने की वकालत की। डॉ. भटनागर ने बताया कि अस्पतालों में थेरेपी के दौरान तो मरीजों को यह दे दी जाती है लेकिन बाजार में यह नहीं मिलती है। एम्स की डॉ. सीमा शर्मा ने बच्चों में कैंसर की पीड़ा करने के लिए साइको थेरेपी और मेडिसिन के बारे में बताया। चार मरीजों पर पेन प्रोसीजर लखनऊ के डॉ. देवेंद्र सिंह ने किया। पीजीआई लखनऊ के डॉ. नीरज रस्तोगी, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के डॉ. अमिताभ आर्या ने भी जानकारी दी। इस मौके पर एसआरएमएस के चेयरमैन देवमूर्ति, आईएसए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आरके भास्कर, बरेली अध्यक्ष डॉ. वीपी सिंघल, सीएमई चेयरपर्सन डॉ. जूही सरन, आयोजन सचिव डॉ. ऋचा चंद्रा का सहयोग रहा।

एसआरएमएस में हुए कार्यक्रम में शामिल अतिथि।